नशा मुक्त युवा अभियान विकसित भारत के निर्माण हेतु सशक्त चितन

यूपीएससी प्रासंगिकता

GS Paper-2 सामाजिक न्याय : नशे की रोकथाम,और युवाओं के नेतृत्व में सामाजिक सुधार

GS Paper-3 नशे की तस्करी यपर्यावरणीय प्रभाव

प्रस्तावना

भारत की 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है, और यह युवा शक्ति ही राष्ट्र के विकास की दिशा निर्धारित करेगी। यदि ये युवा नशे की लत में फंस जाते हैं, तो इसका असर न केवल व्यक्तिगत जीवन पर पड़ेगा, बल्कि राष्ट्र के समग्र विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। नशे के दुरुपयोग से बचने के लिए भारत सरकार ने कई पहलें शुरू की हैं, और "नशा मुक्त भारत अभियान" इसका मुख्य हिस्सा है।

युवाओं की शक्ति और स्वामी विवेकानंद का दृष्टिकोण

स्वामी विवेकानंद ने कहा था, "आप जो भी सोचेंगे, वही बनेंगे।" उनका यह संदेश आज के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। यदि युवा नशे की लत में फंसते हैं, तो न केवल उनकी ऊर्जा और शक्ति नष्ट होती है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका कमजोर हो जाती है। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि जो भी चीज किसी व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक रूप से कमजोर करती है, उसे त्याग देना चाहिए। इसी विचारधारा के साथ, भारत सरकार युवाओं को नशे से मुक्त करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

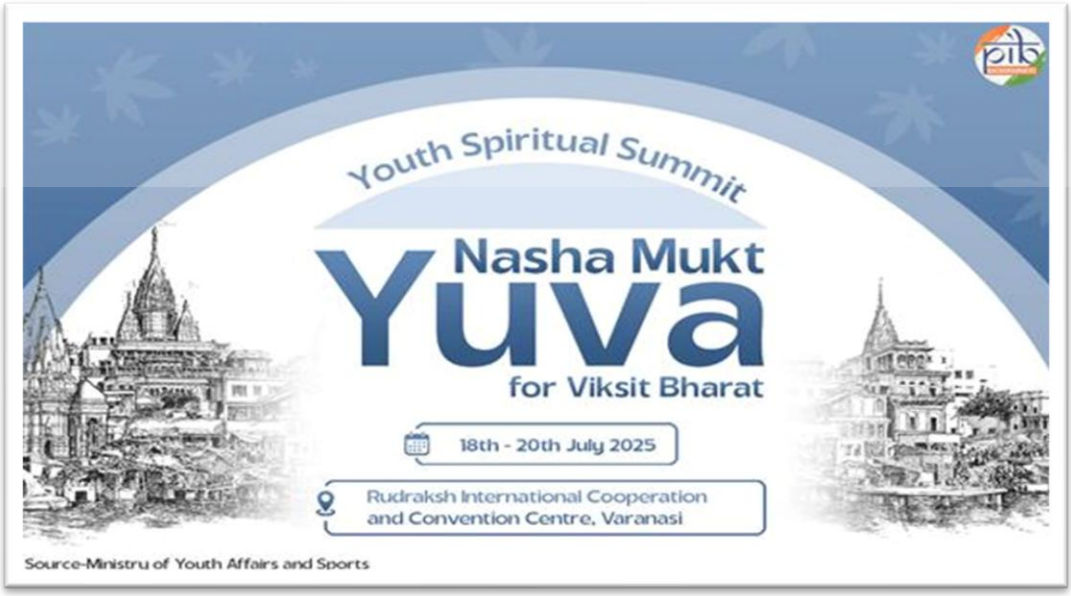

युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन: नशा मुक्त भारत की दिशा में एक कदम

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय 18-20 जुलाई 2025 तक वाराणसी में विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा" विषय पर तीन दिवसीय युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की लत से मुक्त करना और उनके नेतृत्व में नशे के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक राष्ट्रीय योजना तैयार करना है। इस सम्मेलन में प्रमुख मंत्रालयों, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, और 100 से अधिक आध्यात्मिक संगठनों की युवा शाखाएं एक साथ आएंगी। सम्मेलन के माध्यम से "काशी घोषणापत्र" तैयार किया जाएगा, जो नशे की रोकथाम के लिए एक सशक्त रोडमैप होगा।

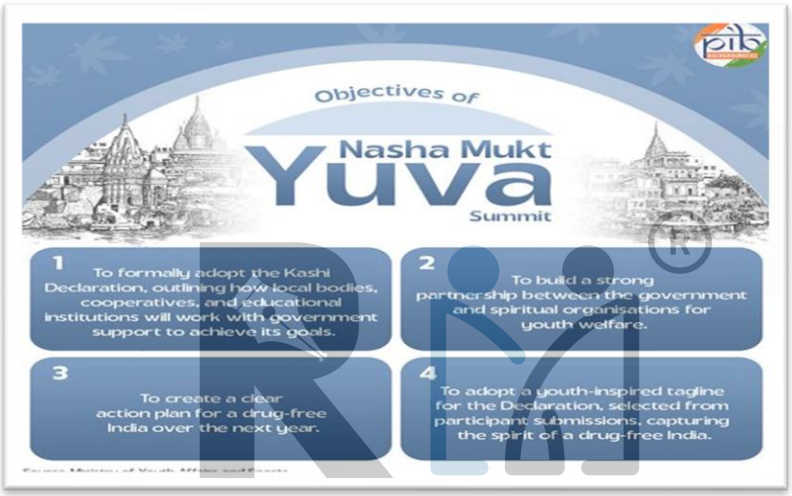

नशा मुक्त भारत: एक जन आंदोलन

यह अभियान केवल सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक जन आंदोलन बन चुका है, जिसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। नागरिक न केवल नशे के दुरुपयोग से जुड़ी जानकारी प्रदान करके, बल्कि स्वयंसेवक के रूप में भी इस अभियान में योगदान कर सकते हैं। इसके अलावा, सरकार ने एनएमबीए मोबाइल ऐप और राष्ट्रीय हेल्पलाइन (मानस 1933) जैसे उपकरणों का निर्माण किया है, जिससे लोग नशे के दुरुपयोग के बारे में रिपोर्ट कर सकते हैं।

कानूनी कार्रवाई और प्रवर्तन

2024 में भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 25,330 करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवाएं जब्त कीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 55 प्रतिशत अधिक है। यह दर्शाता है कि सरकार ने नशे की तस्करी और दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य एजेंसियों ने मिलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े अभियानों को अंजाम दिया, जिससे नशीली दवाओं की जब्ती में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

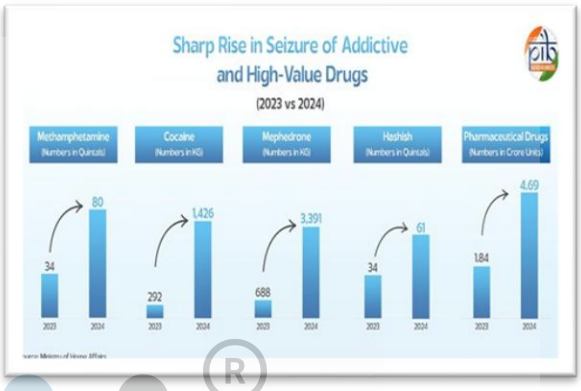

नशे की लत से मुक्त भारत के निर्माण में नागरिकों की भूमिका

नशा मुक्त भारत अभियान में नागरिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें न केवल जागरूकता फैलाने, बल्कि नशे के दुरुपयोग से संबंधित मामलों की सूचना देने में भी सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। एनएमबीए की वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से नागरिक अपने योगदान को और प्रभावी बना सकते हैं।

निष्कर्ष

युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन और नशा मुक्त भारत अभियान जैसे कदम इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं, जो सरकार, समाज और आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से नशे के दुरुपयोग के खिलाफ एक जन आंदोलन को साकार कर रहे हैं। यह पहल प्रधानमंत्री के स्वस्थ, व्यसन-मुक्त और आत्मनिर्भर युवाओं के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती है, जो एक विकसित भारत के निर्माण में योगदान करेंगे।

Result Mitra

UPSC MAIN PRACTICE QUE :

Q. "नशा मुक्त भारत अभियान" और "काशी घोषणापत्र" जैसे कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए। क्या यह पहलें समाज के नशे के दुरुपयोग पर काबू पाने के लिए प्रभावी हैं? यदि नहीं, तो आप इसके सुधार के लिए क्या सुझाव देंगे?

Result Mitra